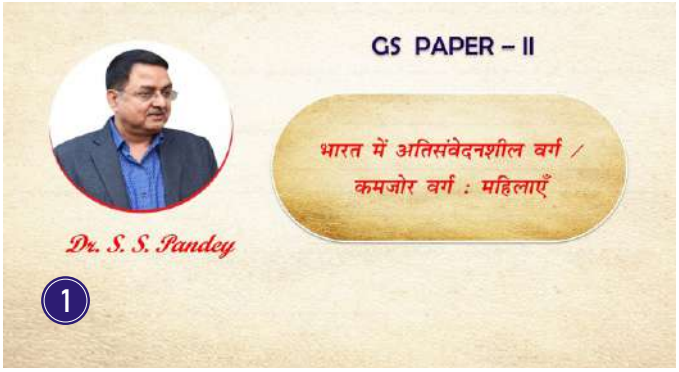

1

II. 2008 में महिला सशक्तिकरण के लिए एकीकृत योजना का प्रारंभ

III. अन्य प्रमुख योजनाएँ-

1. महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए अल्पावास गृह
2. राजीव गाँधी राष्ट्रीय शिशु गृह स्कीम
3. अभिनव योजना

6

महिलाओं के रक्षोपाय हेतु प्रमुख आयोग एवं समिति

2

राष्ट्रीय महिला आयोग

7

1. केन्द्रीय सामाजिक कल्याण बोर्ड-1953
2. राष्ट्रीय महिला आयोग-1992
3. राष्ट्रीय महिला कोष-1993
4. जे. एस. वर्मा कमेटी की रिपोर्ट-2013

3

I. राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम-1990 द्वारा 1992 में गठित

II. प्रमुख उद्देश्य

1. महिलाओं के रक्षोपायों एवं इसके क्रियान्वयन का मूल्यांकन करना
2. इनको सही रूप से क्रियान्वित करने हेतु सुझाव देना

8

केन्द्रीय सामाजिक कल्याण बोर्ड-1953

4

3. महिलाओं के साथ भेदभाव एवं ज्यादती / अत्याचार की जाँच करना और इनका उन्मूलन तथा महिलाओं के सामाजिक - आर्थिक उत्थान हेतु उपाय सुझाना
4. महिलाओं से संबंधित शिकायतों का निवारण करना

9

I. उद्देश्य- समाज में महिलाओं के कल्याण, विकासव और सशक्तिकरण के लिये गैर-सरकारी संगठनों और स्वैच्छिक संगठनों के साथ भागीदारी सुनिश्चित करना तथा इस कार्य के लिये ऐसे संगठनों को बढ़ावा देना

5

राष्ट्रीय महिला कोष

10

I. 1993 में (HRD मंत्रालय के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा) गठित– कोष की आरंभिक सीमा - 31 करोड़

11

II. प्रमुख उद्देश्य-

1. गरीब महिलाओं को आमदनी सृजन के कार्यों के लिए लघु ऋण प्रदान करना या इस प्रावधान को बढ़ावा देना
2. महिलाओं को बचत हेतु प्रोत्साहित करना
3. महिलाओं की सांगठनिक भागीदारी को सुनिश्चित करना

12

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट का निर्देश-1997

13

1997 में सुप्रीम कोर्ट ने विशाखा बनाम राजस्थान मामले में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के संदर्भ में यौन उत्पीड़न रोकने हेतु दिशा-निर्देश जारी किया है–

1. यौन उत्पीड़न की व्यापक परिभाषा
2. संगठन में अनुशासन सम्बन्धी नियमों / Standing Order में यौन उत्पीड़न रोकने सम्बन्धी नियम एवं दण्ड के प्रावधान को शामिल किया जाए।

14

3. नियोक्ता द्वारा कार्यस्थल पर अनुकूल वातावरण का निर्माण किया जाए। ऐसी घटना घटने पर समुचित कार्यवाही प्रारंभ की जाए और इसका दायित्व नियोक्ता अथवा कार्यस्थल पर प्रभारी अधिकारी को होगा।
4. यौन उत्पीड़न की शिकार महिला को अपना या उत्पीड़नकर्ता का स्थानान्तरण करवाने का विकल्प होना चाहिए।

15

तेजाब हमला को रोकने हेतु सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

16

हाल के वर्षों में स्त्रियों पर तेजाब से किए गए हमलों में वृद्धि (1999 से मई 2014 तक 135 केस दर्ज) को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे रोकने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं–

17

1. संसद तत्काल इसे रोकने हेतु कानून का निर्माण करे।
2. तेजाब की बिक्री को प्रतिबंधित किया जाए।
3. पीड़िता की वित्तीय सहायता 3 लाख रुपये कर दिया जाए और उसकी उचित देख-रेख की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए।

18

Dr. S. S. Pandey

घरेलू हिंसा अधिनियम - 2005

19

प्रमुख प्रावधान

1. घरेलू हिंसा का व्यापक अर्थ
2. पति या साथी की हिंसा से संरक्षण का प्रावधान
3. पत्नी के साथ, माँ, बहन सभी को संरक्षण
4. 3 दिनों के भीतर 'संरक्षण आदेश' या गिरफ्तारी वारंट जारी करवाने का प्रावधान

20

5. पीड़ित महिलाओं द्वारा कोर्ट से 'संरक्षण आदेश' लेने और हिंसाकर्त्ता को घर से बाहर रखने का प्रावधान
6. 'संरक्षण आदेश' का उल्लंघन गैर-जमानती अपराध
7. सभी जिले तथा वार्ड में सरंक्षण अधिकारी के नियुक्ति का प्रावधान

21

- 2016 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस अधिनियम में संशोधन करके 'वयस्क पुरुष' शब्द को समाप्त किया गया। फलतः अब महिलाएँ भी घरेलू हिंसा के लिए जिम्मेदार मानी जाएगी

22

Dr. S. S. Pandey

अनैतिक व्यापार निवारण संशोधन अधिनियम-2006

23

भारत सरकार द्वारा 1956 में स्त्री एवं लड़की अनैतिक व्यापार निषेध अधिनियम बनाया गया जिसमें 2006 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए, वर्तमान में इसके अंतर्गत–

1. व्यक्तियों के अवैध व्यापार को भी परिभाषित किया गया है

24

2. यद्यपि व्यक्तिगत वेश्यावृत्ति को अपराध नहीं माना गया है तथापि जीवन-यापन के संगठित साधन के रूप में अधिसूचित क्षेत्रों में वेश्यावृत्ति को अपराध माना गया
3. ऐसे किसी भी कृत्य या व्यापार को जिससे वेश्यावृत्ति प्रोत्साहित होती है, अपराध घोषित किया गया है

25

4. किसी भी व्यक्ति द्वारा वेश्यावृत्ति को संचालन, सहयोग या प्रोत्साहन को अपराध माना गया है। साथ ही वेश्या के साथ स्थाई या अस्थाई रूप से रहने को भी अपराध माना गया है
5. सार्वजनिक स्थल से 200 मी. की परिधि पर वेश्यावृत्ति गैर-कानूनी और इसके लिए विशेष पुलिस व्यवस्था और पकड़ी गई वेश्याओं के लिए 'संरक्षण गृह' का प्रावधान

26

समीक्षा

1. अभी भी कानूनी जटिलता विद्यमान– फलतः पुलिस द्वारा शोषण जारी
2. इस कानून को सरल बनाकर इसे समुचित रूप से लागू करने की जरूरत

27

Dr. S. S. Pandey

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम एवं प्रतिषेध) अधिनियम - 2013

28

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम एवं प्रतिषेध) अधिनियम - 2013

- परिचय
- प्रावधान
- उद्देश्य
- समीक्षा

29

उद्देश्य

महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षित माहौल प्रदान करना

30

प्रावधान

31

1. कृषि एवं घरेलू कार्यों में लगी महिलाएँ भी इसके दायरे में
2. सुरक्षित माहौल प्रदान करने और यौन उत्पीड़न को रोकने की जिम्मेदारी नियोक्ता पर
3. संगठित क्षेत्र में आंतरिक समीति एवं असंगठित क्षेत्र में स्थानीय समीति का प्रावधान

32

4. शिकायतों की 90 दिनों के अन्दर जाँच का प्रावधान
5. प्रावधानों के उल्लंघन पर नियोक्ता पर 50,000 तक का जुर्माना
6. कानून के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी राज्य सरकार पर

समीक्षा

33

1. यह कानून यौन उत्पीड़न को अपराध की श्रेणी में नहीं रखता बल्कि नागरिक दोष मानता है
2. पीड़ित की इच्छा पर ही इसे अपराध के रूप में शिकायत दर्ज की जा सकती है
3. 2015 के सर्वेक्षण के अनुसार– 97% कंपनियाँ इस कानून और इसको अमल में लाने के बारे में अवगत नहीं है

महिलाओं के रक्षोपाय हेतु किए गए योजनागत प्रयास

34

1. स्वाधार योजना (सामाजिक सशक्तिकरण) – 2001
2. स्वशक्ति योजना (कौशल विकास)
3. STEP योजना (आर्थिक सशक्तिकरण)
4. धन लक्ष्मी योजना, 2008 (कन्या भ्रूण हत्या एवं गिरते लिंगानुपात को रोकने हेतु)

35

5. राजीव गांधी किशोरी सशक्तिकरण (सबला) योजना, 2010
6. राष्ट्रीय जननी शिशु सुरक्षा योजना-2011
7. प्रधानमंत्री गर्भावस्था सहायता योजना / प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, 2017
8. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना, 2015

36

9. सुकन्या समृद्धि योजना, 2015 (आर्थिक सशक्तिकरण)
10. सशक्त न्याय योजना, 2015 (बलात्कार पीड़ितों हेतु न्याय)
11. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, 2016

37

12. प्रेरणा योजना, 2016 (कम उम्र में शादी तथा बार-बार बच्चा पैदा करने की सोच में परिवर्तन हेतु)
13. प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, 2016
14. महिला-ई-हॉट योजना
15. जेंडर बजटिंग

38

योजनागत प्रयासों की समीक्षा एवं सुझाव

A. सफलता के बिन्दु / उपलब्धियाँ
B. असफलता के बिन्दु / कमियाँ
C. सुझाव

39

1. योजनाओं का निर्माण महिलाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप किया जाए

40

2. इन योजनाओं को दृढ़ईच्छाशक्ति (राजनीतिक एवं प्रशासनिक) के साथ तथा भ्रष्टाचारमुक्त तरीके से लागू किया जाए
3. पुरुषप्रधान सोच को परिवर्तित किया जाए
4. शिक्षा का अधिकाधिक प्रसार किया जाए
5. महिलाओं को अग्रीम भूमिका में सामने लाया जाए

6. स्थानीय निकायों में महिला प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया जाए
7. संवैधानिक एवं वैधानिक रक्षोपायों तक महिलाओं की पहुँच को सुनिश्चित किया जाए

41

Dr. S. S. Pandey

महिला सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय मिशन

46

Dr. S. S. Pandey

राजीव गाँधी किशोरी सशक्तिकरण योजना / सबला योजना

42

मार्च, 2010 से प्रारंभ

(महिला सशक्तिकरण की नीति 2001 के अनुरूप)

प्रमुख उद्देश्य

1. महिलाओं हेतु स्वास्थ्य सुविधाओं की सुनिश्चितता

47

A. 2010 में प्रारंभ- 200 जिलों में
B. प्रमुख उद्देश्य– किशोर बालिकाओं के पोषण एवं आर्थिक स्तरों में सुधार लाना
C. अन्य प्रावधान/लक्षण-
1. 11 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की किशोरियों हेतु एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना का संचालन आँगनबाड़ी केन्द्रों के द्वारा

43

2. महिला शिक्षा को प्रोत्साहन
3. उच्चतर एवं व्यवसायिक शिक्षा की सुनिश्चितता
4. स्वयं सहायता समूह (SHG) का विकास
5. लिंग संवेदीकरण एवं सूचना प्रसार
6. महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण का निर्माण

48

2. 11-18 आयु वर्ग की किशोरियों को निम्न सुविधाएँ प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना-

⬇

पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा, आयरन एवं फोलिक एसिड प्रतिपूरक, स्वास्थ्य जाँच तथा रेफरल सेवाएँ, परिवार कल्याण एवं परामर्श, गृह प्रबंधन आदि

44

Dr. S. S. Pandey

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना - 2015

49

3. 16 वर्ष एवं इससे अधिक आयु की लड़कियों के लिये राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम के तहत व्यवसायिक प्रशिक्षण
4. पोषण प्रावधान हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार की भागीदारी 50-50 तथा अन्य प्रावधानों हेतु 100% केन्द्र सरकार की भागीदारी

45

50

परिचय

1. BBBP योजना एक केन्द्रीय योजना के रूप में 2015 को गिरते लिंगानुपात वाले 100 जिलों में प्रारंभ
2. 22 जनवरी 2015 को भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा हरियाणा के पानीपत जिले से शुरूआत
3. वर्तमान में 650 जिलों में लागू

51

Dr. S. S. Pandey

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, 2016

56

उद्देश्य

1. पक्षपाती लिंग चुनाव प्रक्रिया का उन्मूलन
2. बालिकाओं का अस्तित्व एवं सुरक्षा
3. बालिकाओं की शिक्षा एवं सभी क्षेत्रों में भागीदारी
4. अन्ततः महिला सशक्तीकरण संभव

52

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, 2016

- परिचय
- उद्देश्य
- बजट एवं वित्त पोषण

57

रणनीति

1. बालिका शिक्षा एवं लिंग समानता के लिए सामाजिक आंदोलन एवं जागरूकता अभियान
2. इसे सार्वजनिक विमर्श का मुद्दा बनाना
3. निम्न लिंगानुपात वाले जिलों की पहचान एवं गहन व एकीकृत कार्यवाही

53

परिचय

1. 2016 में BPL महिलाओं को LPG कनेक्शन उपलब्ध कराने हेतु प्रारंभ
2. 3 वर्ष में 5 करोड़ BPL परिवारों को मुफ्त में LPG कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य
3. 2016-17 में 1.5 करोड़ BPL परिवारों को LPG कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य

58

4. PC & PNDT Act को सख्ती से लागू करना
5. सुकन्या समृद्धि योजना के तहत आर्थिक सशक्तिकरण
6. इस दिशा में स्थानीय महिला संगठनों, युवाओं, पंचायतीराज संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों को सहभागिता हेतु प्रेरित करना

54

4. कोरोना संकट को देखते हुए सितम्बर, 2020 तक 7.4 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को मुफ्त गैस सेलेंडर उपलब्ध कराने हेतु केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी

59

परियोजना क्रियान्वयन

1. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा
2. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा
3. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा

55

उद्देश्य

1. स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देना
2. अशुद्ध जीवाश्म ईंधन के प्रयोग को कम करके प्रदूषण में कमी लाना
3. अशुद्ध जीवाश्म ईंधन के प्रयोग से होने वाली बीमारियों को रोकना
4. महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य रक्षा द्वारा सशक्तिकरण करना

60

बजट एवं वित्त पोषण

1. 3 वर्षों के लिए 8000 करोड़ का प्रावधान
2. Give-it-up अभियान से प्राप्त राशि द्वारा वित्तपोषण
3. प्रत्येक BPL परिवार को गैस कनेक्शन हेतु 1600 रु. अनुदान
4. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन क्रियान्वयन

61

Dr. S. S. Pandey

महिलाओं के विरूद्ध हिंसा

62

स्वरूप

1. पारिवारिक उत्पीड़न एवं दहेज हत्या
2. कन्या भ्रूण हत्या (6 लाख/वर्ष)
3. सार्वजनिक स्थल पर छेड़-छाड़ एवं बलात्कार
4. कार्यस्थल पर यौन शोषण एवं दुर्व्यवहार
5. वैश्यावृत्ति की समस्या
6. अश्लील साहित्य एवं चित्र का प्रदर्शन

63

कारण

1. पितृसत्तात्मक समाज एवं महिलाओं की निम्नतर स्थिति
2. निम्न शैक्षिक अधिकार एवं स्थिति
3. महिलाओं की पुरुषों पर आर्थिक निर्भरता
4. राजनीतिक क्षेत्र में पुरुषों का एकाधिकार

64

5. पुरुषों द्वारा शराबखोरी
6. महिला सशक्तिकरण और महिलाओं द्वारा पुरुषों को चुनौती फलतः पुरुषों द्वारा प्रतिक्रिया
7. भौतिकवादी संस्कृति का प्रसार और यौन संबंधों में खुलापन

65

प्रयास

1. विभिन्न महिला आंदोलनों द्वारा प्रयास
2. संविधान द्वारा लिंग आधारित भेद-भाव का उन्मूलन एवं आरक्षण
3. महिला सशक्तिकरण की दिशा में विभिन्न कानून / अधिनियम का प्रावधान
4. सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस दिशा में दिए गए दिशा-निर्देश

66

5. विभिन्न योजनाओं द्वारा महिलाओं का शैक्षिक, आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण
6. UN द्वारा महिला हिंसा विरोधी घोषणा पत्र-2011
7. नीति आयोग द्वारा न्यू इंडिया, 2022 के तहत लिंग समानता हेतु रणनीति एवं प्रयास
8. NGO एवं अन्य संस्थाओं द्वारा किए गए प्रयास

67

Dr. S. S. Pandey

भारत में वैश्यावृत्ति की समस्याएँ

68

भारत में वैश्यावृत्ति की समस्याएँ

- वैश्यावृत्ति का अर्थ
- भारत में वैश्यावृत्ति के कारण
- मूल्यांकन एवं सुझाव
- वैश्यावृत्ति का समस्यात्मक पक्ष
- वैश्यावृत्ति को रोकने हेतु किए गए प्रयास

69

वैश्यावृत्ति का समस्यात्मक पक्ष

1. HIV / AIDS संक्रमण
2. लड़कियों की तस्करी एवं दुर्व्यापार
3. वैश्याओं से संबंधित समस्याएँ
4. नैतिक पतन
5. वैयक्तिक एवं सामाजिक विघटन

70

भारत में वैश्यावृत्ति के कारण

1. पितृसत्तात्मक समाज एवं विशिष्ट धार्मिक मान्यताएँ
2. गरीबी, ऋणग्रस्तता एवं मंहगाई
3. इस दिशा में सक्रिय संगठित अपराधी
4. उपभोक्तावादी संस्कृति
5. यौन संबंधी कठोर मानक
6. देर से विवाह, दोषपूर्ण सहचर्य, एकल प्रवसन
7. परिवारिक विघटन एवं तलाक की दर में वृद्धि

71

Dr. S. S. Pandey

क्या वैश्यावृत्ति को व्यवसाय का दर्जा दिया जाए?

76

वैश्यावृत्ति को रोकने हेतु किए गए प्रयास

1. महिला आंदोलन के रूप में किए गए प्रयास
2. संविधान एवं कानून के माध्यम से प्रयास
3. विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं द्वारा
   - महिला शिक्षा को प्रोत्साहन
   - महिलाओं को आर्थिक निर्भरता
   - उज्जवला योजना
4. NGO (प्रेरणा, प्रयास) आदि द्वारा किए गए प्रयास

72

क्या वैश्यावृत्ति को व्यवसाय का दर्जा दिया जाए?

- भूमिका
- पक्ष में तर्क
- विपक्ष में तर्क
- समीक्षा

77

मूल्यांकन एवं सुझाव

1. सफलता के बिन्दू
   रेड लाइट एरिया के वेश्यावृत्ति में कमी आयी है
2. असफलता के बिन्दू
   कॉल गर्ल एवं सोसायटी गर्ल में वृद्धि, 'कॉमनवेल्थ गेम' के समय में भारत में इसे संगठित व्यवसाय के रूप में चलाया जाना आदि

73

पक्ष में तर्क

1. वैयक्तिक स्वतंत्रता के अधिकार के अनुरूप
2. वैश्याओं के स्थिति के उन्नयन में सहायक

78

3. सुझाव
   - वैश्यावृत्ति के विरूद्ध प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता अभियान चलाया जाए
   - पुलिस की कार्य प्रणाली पर नियंत्रण लाया जाए
   - स्त्री न्यायाधीशों की नियुक्ति की जाए

74

विपक्ष में तर्क

1. परिवार, समाज एवं संस्कृति पर दुष्प्रभाव
2. वेश्याओं पर दुष्प्रभाव
3. मोहिनी गिरी 'महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष' इसके विपक्ष में रही– उनके अनुसार– भारत में स्वतंत्रता का अधिकार सीमित है न कि स्वच्छन्दता

79

- स्त्रियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जाए
- परिवार में महिला उत्पीड़न पर नियंत्रण किया जाए और पारिवारिक संगठन को स्थापित किया जाए
- अश्लील साहित्य, सिनेमा एवं पोर्न साइट पर रोक लगाई जाए

75

Dr. S. S. Pandey

पंचायती राज एवं महिला सशक्तिकरण

80

81

पंचायती राज एवं महिला सशक्तिकरण

- भूमिका
- पंचायती राज संस्थाओं का महिला सशक्तिकरण में योगदान
- मूल्यांकन
- सुझाव

82

भूमिका

1. 73वां व 74वां संविधान संशोधन द्वारा PRIs को संवैधानिक दर्जा
2. अनु. 243(डी) के अंतर्गत 33% आरक्षण
3. वर्तमान में 50% आरक्षण

83

पंचायती राज संस्थाओं का महिला सशक्तिकरण में योगदान

1. महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता में वृद्धि एवं निर्णय निर्माण में भूमिका
2. महिला समस्या का त्वरित निदान
3. महिला शिक्षा को प्रोत्साहन
4. महिलाओं में तार्किकता का विकास

84

5. महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में वृद्धि / आर्थिक निर्भरता में कमी
6. परिवार एवं समाज में महिलाओं की स्थिति में सुधार

85

मूल्यांकन

1. निश्चित रूप से पंचायती राज महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण रहा है
2. परन्तु अभी भी हम अपेक्षित लक्ष्य से दूर हैं

86

सुझाव

1. पंचायती राज में चुनी गयी महिलाओं को समुचित प्रशिक्षण दिया जाए
2. अपने अधिकारों के प्रति महिलाओं को जागरूक बनाया जाए
3. चुनी गई महिलाओं के कार्यों में उनके पुरुष अभिभावकों के हस्तक्षेप को रोका जाए

87

4. महिलाओं के प्रति पुरुषों के दृष्टिकोण को आधुनिक एवं संवेदनशील बनाया जाए
5. राष्ट्रीय राजनीति में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाया जाए
6. राजनीति को स्वच्छ एवं प्रतिष्ठित स्वरूप प्रदान किया जाए

88

Dr. S. S. Pandey

आरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण

89

आरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण

- आरक्षण का अर्थ
- प्राप्त महिला आरक्षण का स्वरूप
- मूल्यांकन एवं सुझाव
- भारत में महिलाओं की स्थिति
- आरक्षण का महिला सशक्तिकरण में योगदान
  - शिक्षा में
  - नौकरियों में (33% तक)
  - पंचायती राज में (50%)
  - लोकसभा एवं राज्य विधान सभा में 1/3 (सितंबर 2023 में)

90

Dr. S. S. Pandey

समान नागरिक संहिता एवं महिला सशक्तिकरण

91

समान नागरिक संहिता एवं महिला सशक्तिकरण

- भूमिका
- समान नागरिक संहिता के विपक्ष में तर्क
- समान नागरिक संहिता के पक्ष में तर्क
- समीक्षा

92

Dr. S. S. Pandey

जेंडर बजटिंग

93

'जेंडर बजटिंग' का अर्थ

94

किसी देश के बजट में महिला सशक्तीकरण तथा शिशु कल्याण के लिये किये जाने वाले धन आवंटन के उल्लेख को जेंडर बजटिंग कहा जाता है

95

'जेंडर बजटिंग' के क्षेत्र में भारत के प्रयास

96

1. 2005 से भारत ने औपचारिक रूप से वित्तीय बजट में जेंडर उत्तरदायी बजटिंग (Gender Responsive Budgeting - GRB) को अंगीकार किया था, जिसका उद्देश्य है- राजकोषीय नीतियों के माध्यम से लिंग संबंधी समस्याओं का समाधान करना

97

2. वर्ष 2005 के बाद से प्रत्येक वर्ष सलाना बजट में एक उक्ति जोड़ी गई, जिसे दो भागों में सूचीबद्ध किया जाता है, जिनके नाम हैं- भाग 'A' और भाग 'B'; भाग-A में महिलाओं के कल्याण से संबंधित ऐसी योजनाओं का उल्लेख होता है जिनमें महिला कल्याण के लिये 100 प्रतिशत आवंटन होता है। वहीं, भाग-B में वैसी योजनाओं का उल्लेख किया जाता है जिनमें महिला कल्याण हेतु कम-से-कम 30 प्रतिशत का आवंटन होता है।

98

3. केंद्र और राज्य स्तर (16 राज्यों ने अब तक जीआरबी को अंगीकृत किया है) पर जीआरबी के माध्यम से लैंगिक असमानता को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

99

जीआरबी से संबंधित समस्याएँ

100

1. हाल के कुछ वर्षों में जीआरबी के तहत या तो कम राशि का आवंटन हुआ है या सभी वर्षों में यह राशि समान ही रही है।
2. वित्तीय वर्ष 2016-17 के बजट में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय महिला आयोग के आवंटन में उचित वृद्धि नहीं की गई, वहीं घरेलू हिंसा अधिनियम के कार्यान्वयन के लिये लाई गई योजना के लिये कोई आवंटन नहीं किया गया।

3. जीआरबी के तहत आने वाले मंत्रालयों की संख्या भी कम कर दी गई है और महिला कल्याण हेतु होने वाले आवंटन का विकेंद्रीकरण किया जा रहा है।

101

106

निष्कर्ष

102

1. जीआरबी को महिला कल्याण के लिये एक प्रतीकात्मक योजना की बजाय एक व्यावहारिक योजना बनाया जाए। अब तक जीआरबी में केवल वैसी योजनाओं को शामिल किया जाता रहा है जिनके सारोकार सीधे तौर पर महिला कल्याण से जुड़े हुए हैं।
ऊर्जा, शहरी विकास, खाद्य सुरक्षा, जलापूर्ति और स्वच्छता जैसे मुद्दों को भी महिला कल्याण से जोड़ा जाय क्योंकि अप्रत्यक्ष ही सही लेकिन ये सभी महिला कल्याण को महत्त्वपूर्ण ढंग से प्रभावित करते हैं।

103

2. जेंडर बजटिंग के माध्यम से महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभार्थी बनाने की बजाय उन्हें विकास यात्रा की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी बनाया जाय लेकिन इसके लिये जीआरबी के माध्यम से नीतियों को और अधिक प्रभावी और व्यापक दृष्टिकोण से युक्त बनाना होगा, उचित और व्यावहारिक आवंटन सुनिश्चित करना होगा। वास्तविक सुधारों के लिये जेंडर बजटिंग को महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता से जोड़ना होगा।

104

3. लैंगिक समानता का सूत्र श्रम सुधारों और सामाजिक सुरक्षा कानूनों से भी जुड़ा है, फिर चाहे कामकाजी महिलाओं के लिये समान वेतन सुनिश्चित करना हो या सुरक्षित नौकरी की गारंटी देना। मातृत्व अवकाश के जो कानून सरकारी क्षेत्र में लागू हैं, उन्हें निजी और असंगठित क्षेत्र में भी सख्ती से लागू करना होगा।

105

1. International Women's Day – 8 March (1921)
2. International Day for the Elimination of Violence against Women – 20 Nov (2017)
3. UN Declaration of Human Rights - 10 Dec. 1948
4. UN Convention on Political Rights of Women – 1952
5. First World Conference on Women – 1975 – Maxico
6. International Women's Year – 1975

107

7. United Nations Decade for Women – 1976 to 1985
8. UN Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination Against Women (CEDAW) – 1979
9. Second World Conference on Women – 1980 – Copenhagen
10. Third World Conference on Women – 1985 – Nairobi
11. Fourth World Conference on Women – 1995 – Beijing (Beijing Declaration of Women Rights & Platform for Action)

108

12. MDG – 2000 – Goal – 3 - To Promote Gender Equality and Empower Women
13. UN Women – (United Nation Entity for Gender Equality and the Empowerment of Women) – UN Women - 2010
14. SDG – 2015— Goal – 5 — To Achieve Equality and Empower all Women & Girls
15. 2016— only 24% of all national parliamentarians were female.

109

16. Beijing +25
17. February 2020 – UN Report – A New Era for Girls : Taking Stock on 25 Years of Progress
18. 8 March 2020 – The theme for International Women's Day : I am Generation Equality : Realizing Women's Rights

110

वैश्वीकरण का भारतीय महिलाओं पर प्रभाव

Dr. S. S. Pandey

111

वैश्वीकरण का भारतीय महिलाओं पर प्रभाव

112

A. सकारात्मक प्रभाव

1. निजीकरण पर बल- उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का तीव्र विकास- महिलाओं के रोजगार में वृद्धि एवं श्रम का स्त्रीकरण–
   फलतः महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण
2. वैश्विक आर्थिक संबंधों के विस्तार के साथ विदेशों में रोजगार व शिक्षा के अवसरों में वृद्धि-
   भारतीय महिलाओं का विदेशों में प्रवास और उनकी वैश्विक पहचान कायम

113

3. शिक्षा का प्रसार, आधुनिकता के मूल्यों का प्रसार व उपभोक्तावादी संस्कृति का प्रसार–
   फलतः महिलाओं की जागरूकता व महत्वकांक्षा में वृद्धि, उनके द्वारा अपनी स्थिति में सुधार का प्रयास एवं उनका सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक सहभागिता में वृद्धि (विविध महिला आंदोलनों का उद्भव)–
   फलतः उनकी परम्परागत समस्याओं में कमी व उनका सशक्तिकरण

114

4. संचार क्रांति एवं Cyber World का विकास तथा विचारों के आदान-प्रदान हेतु वैश्विक मंच का निर्माण-
   फलतः भारतीय महिलाओं की समस्याओं का सार्वभौमिकरण, दबाव समूह के रूप में उनके महत्व में वृद्धि और महिला सशक्तिकरण संभव

115

5. तकनीकी विकास के साथ ढेर सारी मशीनों की उपलब्धता-
   फलतः महिलाओं का घरेलू काम आसान व उनके अवकाश में वृद्धि-
   फलतः बाहरी जीवन में उनकी सहभागिता में वृद्धि एवं उनके भूमिका संघर्ष में कमी

116

B. नकारात्मक प्रभाव

1. रोजगार के अवसरों में वृद्धि के साथ महिलाओं में नौकरीकरण की प्रवृत्ति तीव्र–
   फलतः कार्य स्थल पर दुर्व्यवहार, यौन-शोषण एवं महिलाओं की असुरक्षा में वृद्धि तथा अनिंद्रा, तनाव एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का उद्भव

117

2. बाजार अर्थव्यवस्था का विकास एवं वैश्विक व्यापार को प्रोत्साहन-
   फलतः बाजार द्वारा अपने उत्पाद को बेचने हेतु महिलाओं को उपभोग की वस्तु के रूप में प्रयोग तथा उनके देह एवं सौंदर्य का शोषण, Sex Tourism को बढ़ावा तथा महिलाओं के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि– फलतः उनकी गरीमा व प्रतिष्ठा में कमी

118

3. पश्चिमी संस्कृति एवं उपभोक्तावादी संस्कृति का प्रसार तथा महिलाओं की स्वायत्ता में वृद्धि परन्तु उनके अनुरूप पुरुषों की मानसिकता में बदलाव का अभाव–
   फलतः स्त्रियों से जुड़े परम्परागत व नैतिक नियमों से विचलन में वृद्धि (जैसे- पश्चिमी भेष-भूषा, Disco जाना, सिगरेट एवं शराब पीना, प्रेम विवाह, LIR, यौन-संबंधों में खुलापन, अनैतिक देह व्यापार, कॉल गर्ल, Society Girl आदि का प्रचलन) और इनसे जुड़ी सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का उद्भव (जैसे- तलाक, छेड़-छाड़, बलात्कार, मानसिक तनाव, कुंठा आदि)

119

4. उद्योग, संचार, तकनीक एंव परिवहन का विकास–
   फलतः कन्या भ्रूण हत्या में वृद्धि, पर्यावरण प्रदूषण से संबंधित नवीन समस्याओं का उद्भव एवं महिलाओं के स्वास्थ्य पर विभिन्न प्रभाव
   (स्वास्थ्य मंत्रालय के रिपोर्ट के अनुसार- Radiation एवं प्रदूषित पर्यावरण से गर्भवती महिलाओं पर दुष्प्रभाव और कैंसर की समस्या उत्पन्न हुई है, इस संदर्भ में भारत सरकार ने मोबाइल संबंधी विज्ञापनों में गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है)

120

बाजार अर्थव्यवस्था में महिलाओं के सौंदर्य एवं देह का शोषण

Dr. S. S. Pandey

121

बाजार अर्थव्यवस्था में महिलाओं के सौंदर्य एवं देह का शोषण

- बाजार अर्थव्यवस्था का अर्थ
- समीक्षा एवं निष्कर्ष
- बाजार अर्थव्यवस्था द्वारा महिलाओं के सौन्दर्य एवं देह के शोषण का स्वरूप

122

बाजार अर्थव्यवस्था का अर्थ

123

अर्थव्यवस्था का वह स्वरूप जिसमें आर्थिक क्रिया-कलापों का निर्धारण बाजार की माँग के अनुरूप होता है- बाजार अर्थव्यवस्था कहलाता है।

इस अर्थव्यवस्था का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लाभ कमाना होता है।

124

बाजार अर्थव्यवस्था द्वारा महिलाओं के सौन्दर्य एवं देह के शोषण का स्वरूप

125

1. सौन्दर्य एवं देह को बिकाऊ वस्तु के रूप में उपयोग
2. विज्ञापन हेतु अधिक से अधिक महिला सौन्दर्य एवं देह का प्रयोग
3. विभिन्न फैशन शो एवं प्रतियोगिताओं के माध्यम से सौन्दर्य एवं देह का व्यवसायीकरण

126

4. संगीत, फिल्म, Video में महिलाओं के योग्यता से ज्यादा सौन्दर्य एवं देह के बाजारीकरण पर बल (जैसे- Pop Music, Item Dance आदि)
5. पर्यटन व मनोरंजन के नाम पर महिलाओं के निर्यात एवं आयात में वृद्धि तथा Sex Tourism व वैश्यावृत्ति के नवीन स्वरूपों का प्रचलन
6. Internet आदि के प्रचलन के द्वारा Porn Site के प्रचलन में वृद्धि
7. बाजार द्वारा सौन्दर्य प्रसाधन के प्रचलन में वृद्धि

127

वैश्वीकरण एवं कामकाजी महिलाओं की दोहरी भूमिका

Dr. S. S. Pandey

128

प्रश्न: वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने घर से बाहर महिलाओं की नवीन भूमिका का सृजन कर उनका सशक्तिकरण किया है, परन्तु उनसे जुड़ी परम्परागत समाज (पितृसतात्मक समाज) की भूमिका अपेक्षाओं का यथावत् बने रहना, उनके समक्ष नवीन चुनौती प्रस्तुत कर रहा है। चर्चा कीजिए।

129

उत्तर संरचना

Part-I : वैश्वीकरण के प्रभावस्वरूप महिलाओं की भूमिकाओं का विस्तार

1. घर के बाहर रोजगार के अवसर में वृद्धि और इनके रोजगार में वृद्धि
2. इनके द्वारा नवीन व्यवसायों का प्रारंभ
3. महिलाओं का राजनीतिक सहभागिता में वृद्धि

130

Part-II : समाज के पितृसतात्मक स्वरूप के कारण परम्परागत भूमिकाएँ जारी

1. घरेलू श्रम महिलाओं के जिम्मे
2. बच्चों का पालन-पोषण एवं सामाजीकरण महिलाओं के जिम्मे
3. परिवार में बड़े-बुजुर्ग की सेवा महिलाओं के जिम्मे
4. पत्नी के रूप में, माँ के रूप में और बहू के रूप में परम्परागत भूमिकाएँ जारी

131

Part-III : समीक्षा एवं निष्कर्ष

1. दोहरी भूमिकाओं ने निश्चित रूप से भारतीय महिलाओं के समक्ष चुनौती को प्रस्तुत किया है
2. परन्तु यह चुनौती संक्रमणकालीन अवस्था का परिणाम है
3. कालांतर में वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप आधुनिकता के मूल्यों का प्रसार, पितृसत्तात्मकता कमजोर, भूमिका परावर्तन में वृद्धि– फलतः महिलाओं के समक्ष भूमिका संघर्ष में कमी

132

133

- भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण की प्रक्रिया में 'गिग इकोनॉमी' की भूमिका का परीक्षण कीजिए। 2021/150/10
- "महिला सशक्तिकरण जनसंख्या संवृद्धि को नियंत्रित करने की कुंजी है।" चर्चा कीजिए। 2019/150/10
- भारत में महिलाओं के समक्ष समय और स्थान संबंधित निरंतर चुनौतियाँ क्या-क्या हैं? 2019/250/15

134

- "स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं में महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण का भारत के राजनीतिक प्रक्रम के पितृतंत्रात्मक अभिलक्षण पर एक सीमित प्रभाव पड़ा है।" टिप्पणी कीजिए। 2019/250/15
- 'भारत में महिलाओं के आंदोलन ने, निम्नतर सामाजिक स्तर की महिलाओं के मुद्दों को संबोधित नहीं किया है।' अपने विचार को प्रमाणित सिद्ध कीजिए। 2018/250/15

135

- आधुनिक भारत में, महिलाओं से संबंधित प्रश्न 19वीं शताब्दी के सामाजिक सुधार आंदोलन के भाग के रूप में उठे थे। उस अवधि में महिलाओं से संबद्ध मुख्य मुद्दे और विवाद क्या थे? 2017/250/15
- महिलाएँ जिन समस्याओं का सार्वजनिक एवं निजी दोनों स्थलों पर सामना कर रही हैं, क्या राष्ट्रीय महिला आयोग उनका समाधान निकालने की रणनीति बनाने में सफल रहा है? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क प्रस्तुत कीजिए। 2017/250/15

136

- भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए जेंडर बजटिंग अनिवार्य है। भारतीय प्रसंग में जेंडर बजटिंग की क्या आवश्यकताएँ एवं स्थिति है? 2016/200/12.5
- भारत में महिलाओं पर वैश्वीकरण के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा कीजिए। 2015/200/12.5

137

- भारत में एक मध्यम-वर्गीय कामकाजी महिला की अवस्थिति को पितृतंत्र (पेट्रिआर्की) किस प्रकार प्रभावित करता है? 2014/150/10
- हमें देश में महिलाओं के प्रति यौन-उत्पीड़न के बढ़ते हुए दृष्टांत दिखाई दे रहे हैं। इस कुकृत्य के विरूद्ध विद्यमान विधिक उपबन्धों के होते हुए भी, ऐसी घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। इस संकट से निपटने के लिए कुछ नवाचारी उपाय सुझाइए। 2014/150/10

138

- "महिला संगठनों को लिंग-भेद से मुक्त करने के लिए पुरुषों की सदस्यता को बढ़ावा मिलना चाहिए।" टिप्पणी कीजिए। 200 शब्द 2013/200/10

139

140

141
- पितृसत्ता को परिभाषित कीजिए। नया भारतीय परिवार प्रथा में महिलाओं की हकदारी पर इसका प्रभावोत्पादन है? व्याख्या कीजिए। 2019/250/20
- पश्चिमी पितृतन्त्र, जो नारीवादी सिद्धान्तों को त्याग देता है, भारत में एक नई विकास परियोजना है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? क्यों? 2018/250/20

142
- महिलाओं के आंदोलन के और महिला सशक्तिकरण की राजकीय नीति से अभिलाभों के बावजूद स्त्री-पुरुष समानता उपलब्धि से बहुत दूर है। ऐसे दो प्रमुख चुनौतियों की पहचान कीजिए, जो इस लक्ष्य तक पहुँचनें में बाधक हैं। 2017/250/20
- सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं के विरूद्ध हिंसा में वृद्धि के क्या कारण हैं? 2017/150/10

143
- मुस्लिम व्यक्तिगत कानून बोर्ड, इस्लामी नारी-अधिकारवादी कार्यसूची से किस हद तक सहमत है? 2015/150/10
- भारत में स्त्रियों एवं बच्चों के दुर्व्यापार (ट्रैफिकिंग) की समस्या कितनी गम्भीर है? 2015/150/10
- भारतीय संदर्भ में, महिला आंदोलन की दूसरी लहर के प्रमुख अभिलक्षण क्या हैं? 2014/300/20

144
- पारिस्थितिक नारी-अधिकारवाद के एक उदाहरण के रूप में 'चिपको आन्दोलन' पर चर्चा कीजिए। 2014/300/20
- पिछले दशक में सार्वजनिक स्थानों में महिलाओं के प्रति वर्धित हिंसा में तेजी आने के क्या संभव अधःशायी कारण हैं? 2014/250/20
- घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 2014/150/10

145
- भारत में महिला आंदोलन के चरण 2011
- महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के पीछे संरचनात्मक कारक 2011
- महिला सशक्तिकरण में समकालीन महिला आंदोलनों के योगदान का आकलन कीजिए। 2010/300/30

146
- विवाहित महिलाओं पर अत्याचारों की प्रकृति 2002
- महिलाओं पर अत्याचारों की सविस्तार चर्चा कीजिए और उनके लिए सर्वनाशी उपाय सुझाइए। 2004
- महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव 2006
- दहेज एक समस्या के रूप में 1999

147
- भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति हेय रखने वाले सामाजिक आर्थिक तत्त्व का विश्लेषण करें। स्थिति को सुधारने के लिए हाल के वर्षों में कौन से कदम उठाए गए हैं। 1989
- स्त्रियों के प्रति अपराध 1987
- भारतीय मध्यमवर्गीय परिवारों में स्त्रियों के परिवर्तित मूल्य अभिविन्यासों का विवेचन कीजिए। 1986